Daily Current Affairs 02 December 2021

1. इंडिया यंग वाटर प्रोफेशनल प्रोग्राम

चर्चा में क्यों?

- **इंडिया यंग वाटर प्रोफेशनल प्रोग्राम** का पहला संस्करण **जल शक्ति मंत्रालय** द्वारा लॉन्च किया गया।
- इंडिया यंग वाटर प्रोफेशनल कार्यक्रम का शुभारंभ **ऑस्ट्रेलिया-भारत जल संबंधों** में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

प्रमुख बिंदु

- ऑस्ट्रेलियाई जल भागीदारी द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम को DOWR और RD तथा GR की एक केंद्रीय योजना राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तहत शुरू किया गया है।
- इस कार्यक्रम को ऑस्ट्रेलिया इंडिया वाटर सेंटर (ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय विश्वविद्यालयों का एक संघ) लागू करेगा।
- इस कार्यक्रम के लिए बीज नवंबर 2019 में 'सतत जल प्रबंधन' पर राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (NHP) के साथ एक सह-डिजाइन कार्यशाला के दौरान बोए गए थे।
- इस पहल का उद्देश्य भारत में जल प्रबंधन सुधारों का समर्थन करने के लिए रणनीतिक और दीर्घकालिक निवेश के साथ क्षमता निर्माण के लिए एक संरचित मंच प्रदान करना है।
- इस संस्करण की सफलता के आधार पर वर्ष 2022 के उत्तरार्ध में इसके दूसरे चरण की योजना बनाई जाएगी।

संबंधित पहल:

- राष्ट्रीय जल मिशन
- जल क्रांति अभियान
- राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम
- NITI आयोग का समग्र जल प्रबंधन सूचकांक
- जल जीवन मिशन
- अटल भुजल योजना
- जल शक्ति अभियान

स्रोत: PIB

2. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने NFHS-5 चरण II के निष्कर्ष जारी किए

चर्चा में क्यों?

- **केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** ने भारत और 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (द्वितीय चरण के तहत क्लब) के लिए जनसंख्या, प्रजनन तथा बाल स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, पोषण एवं अन्य पर प्रमुख संकेतकों के **2019-21 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5)** तथ्यपत्रक (फैक्टशीट) जारी किए।

byjusexamprep.com

- पहले चरण में शामिल 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में NFHS-5 के निष्कर्ष दिसंबर, 2020 में जारी किए गए थे।

प्रमुख बिंदु

- चरण- II में जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का सर्वेक्षण किया गया, वे हैं अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड।
- NFHS को लगातार कई दौरों में जारी करने का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा अन्य उभरते मुद्दों से संबंधित विश्वसनीय और तुलनात्मक डेटा प्रदान करना है।
- NFHS-5 सर्वेक्षण कार्य देश के 707 जिलों (मार्च, 2017 तक) के लगभग 6.1 लाख नमूना परिवारों में किया गया है, जिसमें जिला स्तर तक अलग-अलग अनुमान प्रदान करने के लिए 724,115 महिलाओं और 101,839 पुरुषों को शामिल किया गया।
- अखिल भारतीय तथा राज्य/केंन्द्र शासित प्रदेश के स्तर पर जारी किए गए फैक्टशीट में 131 प्रमुख संकेतकों की जानकारी शामिल है।
- यह महत्वपूर्ण संकेतकों के बारे में जानकारी प्रदान करता है जो देश में सतत विकास लक्ष्यों (SDG) की प्रगति को ट्रैक करने में सहायक होते हैं।

भारत और दूसरे चरण के राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के NFHS-5 फैक्टशीट क्षेत्रों के मुख्य परिणाम:

- कुल प्रजनन दर (TFR), राष्ट्रीय स्तर पर प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या 2.2 से घटकर 2.0 हो गई है और सभी 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में चंडीगढ़ में 1.4 से लेकर उत्तर प्रदेश में 2.4 हो गई है।
- मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और उत्तर प्रदेश को छोड़कर सभी चरण-II राज्यों ने प्रजनन क्षमता का प्रतिस्थापन स्तर (2.1) हासिल कर लिया है।
- समग्र गर्भनिरोधक प्रसार दर (CPR) अखिल भारतीय स्तर पर और पंजाब को छोड़कर लगभग सभी चरण-II राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 54 प्रतिशत से 67 प्रतिशत तक बढ़ गई है।
- 12-23 महीने की आयु के बच्चों के बीच पूर्ण टीकाकरण अभियान में अखिल भारतीय स्तर पर 62 प्रतिशत से 76 प्रतिशत तक पर्याप्त सुधार दर्ज किया गया है।
- 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में से 11 में 12-23 महीने की आयु के पूर्ण टीकाकरण वाले तीन-चौथाई से अधिक बच्चे हैं और यह ओडिशा के लिए अधिकतम (90 प्रतिशत) है।
- अखिल भारतीय स्तर पर बाल पोषण संकेतक थोड़ा सुधार दिखाते हैं, क्योंकि स्टंटिंग 38 प्रतिशत से घटकर 36 प्रतिशत हो गया है, वेस्टिंग 21 प्रतिशत से 19 प्रतिशत और कम वजन 36 प्रतिशत से घटकर 32 प्रतिशत हो गया है।
- NFHS-4 की तुलना में सभी चरण-II राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और अखिल भारतीय स्तर पर गर्भवती महिलाओं द्वारा 180 दिनों या उससे अधिक समय तक आयरन फोलिक एसिड (IFA) गोलियों के सेवन के बावजूद आधे से अधिक बच्चे और महिलाएं (गर्भवती महिलाओं सहित) एनीमिया से ग्रस्त हैं।
- महिला सशक्तिकरण संकेतक अखिल भारतीय स्तर पर और सभी चरण-II राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में उल्लेखनीय सुधार दर्शाते हैं।

स्रोत: PIB

byjusexamprep.com

3. 13वीं एशिया-यूरोप बैठक (ASEM13)

चर्चा में क्यों?

- **13वीं एशिया-यूरोप बैठक (ASEM13)** 25-26 नवंबर 2021 को वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गई।
- बैठक की मेजबानी **कंबोडिया साम्राज्य** द्वारा की गई थी और इसकी अध्यक्षता कंबोडिया साम्राज्य के प्रधानमंत्री समदेच अक्का मोह सेना पडेई टेको हुन सेन ने की थी।

प्रमुख बिंदु

- बैठक का विषय **"साझा विकास के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना"** था।
- **उपाध्यक्ष, एम वेंकैया नायडू,** आभासी प्रारूप में दो दिवसीय शिखर सम्मेलन ASEM की रिट्रीट सत्र को संबोधित किया।
- नेताओं ने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों को संबोधित करने में सक्षम एक मजबूत, समावेशी और खुले बहुपक्षवाद को आगे बढ़ाने के लिए आम सहमति, समान साझेदारी, पारस्परिक सम्मान और पारस्परिक लाभ के आधार पर बातचीत को मजबूत करने और कार्रवाई उन्मुख सहयोग को बढ़ावा देने में एशिया और यूरोप के बीच इस साझेदारी के महत्व की पुष्टि की, विशेष रूप से COVID-19 महामारी में।

एशिया-यूरोप बैठक के बारे में तथ्य:

- एशिया-यूरोप बैठक अपने भागीदारों के बीच संबंधों और सहयोग के विभिन्न रूपों को बढ़ाने के लिए एक एशियाई-यूरोपीय राजनीतिक संवाद मंच है।
- **पार्टनरशिप:** 53 ASEM पार्टनर्स (51 देश और 2 क्षेत्रीय संगठन)
- **स्थापना:** 1996

नोट: 2021 शिखर सम्मेलन ASEM प्रक्रिया की 25वीं वर्षगांठ का प्रतीक है।

स्रोत: PIB

4. दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल घाट मणिपुर में बन रहा है

चर्चा में क्यों?

- **भारतीय रेलवे मणिपुर** में दुनिया का सबसे ऊंचा पुल घाट का निर्माण कर रही है।

प्रमुख बिंदु

- मणिपुर में महत्वाकांक्षी परियोजना मणिपुर की राजधानी को देश के ब्रॉड गेज नेटवर्क से जोड़ने के लिए **111 किलोमीटर लंबी जिरीबाम-इंफाल रेलवे लाइन** का हिस्सा है।
- 141 मीटर की ऊंचाई पर बनाया जा रहा पुल, **यूरोप में मॉन्टेनेग्रो के माला-रिजेका वायडक्ट** के **139 मीटर** के मौजूदा रिकॉर्ड को पार कर जाएगा।
- पुल का काम दिसंबर 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा।

स्रोत: ET

byjusexamprep.com

5. स्वीडन की पहली महिला प्रधानमंत्री ने नियुक्ति के कुछ घंटे बाद इस्तीफा दिया

चर्चा में क्यों?

- स्वीडन की पहली महिला प्रधानमंत्री, **मगडालेना एंडरसन** ने नियुक्ति के कुछ ही घंटों बाद इस्तीफा दे दिया।

प्रमुख बिंदु

- मगडालेना एंडरसन को नेता के रूप में घोषित किया गया था, लेकिन उनके गठबंधन सहयोगी द्वारा सरकार छोड़ने के बाद इस्तीफा दे दिया और उनका बजट पारित होने में विफल रहा।
- उप्साला विश्वविद्यालय से एक पूर्व जूनियर तैराकी चैंपियन, उन्होंने 1996 में तत्कालीन प्रधानमंत्री गोरान परसोन के राजनीतिक सलाहकार के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। उन्होंने पिछले सात साल वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया हैं।

स्रोत: HT

6. भारतीय पराग अग्रवाल ने ट्विटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला

चर्चा में क्यों?

- **भारतीय पराग अग्रवाल** ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म **ट्विटर** के **CEO (मुख्य कार्यकारी अधिकारी)** के रूप में पदभार संभाला।

प्रमुख बिंदु

- ट्विटर के सह-संस्थापक जैक डोर्सी ने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पद छोड़ दिया है, जिससे वर्तमान मुख्य तकनीकी अधिकारी पराग अग्रवाल के पदभार ग्रहण करने का मार्ग प्रशस्त हो सके।
- पराग अग्रवाल दुनिया की शीर्ष प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रमुख का पद संभालने वाले भारतीय मूल के सुंदर पिचाई और सत्या नडेला की सूची में शामिल हो गए हैं।
- IIT बॉम्बे से कम्प्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी स्नातक, अग्रवाल स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से Ph.D. हैं।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

byjusexamprep.com

7. भारतीय टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन ने पहला ATP चैलेंजर टूर का सिंगल्स खिताब जीता

चर्चा में क्यों?

- भारतीय टेनिस खिलाड़ी **रामकुमार रामनाथन** ने बहरीन के मनामा में पहला **ATP चैलेंजर टूर** का सिंगल्स खिताब जीता।
- 12 साल के पेशेवर खिलाड़ी बनने के बाद यह उनका पहला चैलेंजर स्तर का एकल खिताब है।
- उन्होंने बहरीन के मनामा में ATP 80 मनामा इवेंट के शिखर संघर्ष में एवगेनी कार्लोवस्की को हराया।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

8. प्रसिद्ध तेलुगू गीतकार सिरिवेनेला सीताराम शास्त्री का निधन

- **प्रसिद्ध कवि, तेलुगू फिल्म गीतकार सिरिवेनेला सीताराम शास्त्री** का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- सिरिवेनेला सीताराम शास्त्री ने 800 से अधिक फिल्मों के लिए लगभग तीन हजार गीत लिखे और उनमें से अधिकांश अपनी गीतात्मक उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं और लोकप्रिय भी हैं।
- भारत सरकार ने उन्हें 2019 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया और इससे पहले उन्हें 11 बार आंध्र प्रदेश सरकार के नंदी पुरस्कार और 4 बार फिल्म फेयर पुरस्कार मिला।

स्रोत: TOI

9. 2 दिसंबर, अंतरराष्ट्रीय दास प्रथा उन्मूलन दिवस

चर्चा में क्यों?

- **अंतरराष्ट्रीय दास प्रथा उन्मूलन दिवस** 2 दिसंबर को हर साल मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- इस दिन का फोकस गुलामी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और वर्तमान दुनिया में मौजूद सभी प्रकार की गुलामी

जैसे व्यक्तियों की तस्करी, यौन शोषण, बाल श्रम के सबसे बुरे रूप, जबरन विवाह और सशस्त्र संघर्ष के दौरान बच्चों की जबरन भर्ती को समाप्त करना है।

- इसका आयोजन 1986 से संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) द्वारा किया जा रहा है।

नोट:

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के अनुसार दुनिया भर में 40 मिलियन से अधिक लोग आधुनिक दासता के शिकार हैं।
- इसके अलावा, 150 मिलियन से अधिक बच्चे बाल श्रम के अधीन हैं, जो दुनिया भर में लगभग दस बच्चों में से एक के लिए जिम्मेदार है।

स्रोत: un.org

byjusexamprep.com